वर्ष 2026 के दौरान पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में "राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार" के निर्धारण के लिए दिशानिर्देश

1. भूमिका:

भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे पुरस्कारों के पूरे तंत्र को बदलने के लिए और विशेष रूप से योग्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जन-भागीदारी, सरलता, दक्षता और प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर फोकस करते हुए साख और विश्वास बढ़ाने के लिए गृह मंत्रालय में स्थापित केंद्रीय अवार्ड सपोर्ट यूनिट (CASU) ने इन पुरस्कारों की समीक्षा की है और इनमें सुधार किया है। तदनुसार राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार वर्ष 2021 से ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन प्राप्त होने पर प्रदान किए जाते हैं। इसके अलावा, एनजीआरए (NGRA) को वर्ष 2022 से गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अर्थात् https://awards.gov.in के साथ जोड़ा गया है और आवेदन ऑनलाइन मोड में इस पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित किए जाते हैं।

2. प्रस्तावना:

2.1 भारत की देशी बोवाईन नस्लें हृष्ट-पुष्ट हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आनुवंशिक क्षमता रखती हैं। देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए कोई निश्चित कार्यक्रम न होने के कारण उनके संख्या में कमी हो रही है तथा वर्तमान में उनकी उत्पादकता, उत्पादन क्षमता से कम है। इसलिए, उनके विकास और संरक्षण के लिए तत्काल एक वैज्ञानिक कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता थी। भारत के माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, देश में पहली बार देशी बोवाईन नस्लों के संरक्षण और विकास के दृष्टिकोण से दिसंबर, 2014 में ''राष्ट्रीय गोकुल मिशन'' नामक एक नई पहल प्रारंभ की गई थी।

2.2 किसी भी बोवाईन प्रजनन कार्यक्रम का उद्देश्य गोपशुओं तथा भैंसों का आनुवंशिक उन्नयन करना होता है और इसे प्राप्त करने के लिए कृत्रिम गर्भाधान (AI) सेवा को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। 20 वीं पशुधन संगणना के अनुसार देश में 303.76 मिलियन बोवाईन हैं। इनकी औसत उत्पादकता वर्तमान में 5 किग्रा प्रतिदिन प्रति पशु है। उनकी यह कम औसत उत्पादकता चिंता का विषय है। बोवाईन उत्पादकता को कम उत्पादकता की स्थिति से बेहतर उत्पादकता तक लाने में AI तकनीशियनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए, 100 प्रतिशत AI कवरेज करने वाले सर्वोत्तम AI तकनीशियों की पहचान करने की आवश्यकता है ताकि किसानों की आय को दोगुना करने के देश के फ्लैगशिप कार्यक्रम के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

2.3 इसी प्रकार, लगभग 2 लाख डेयरी सहकारी समितियां तथा ग्राम स्तर पर दूध उत्पादक कंपनियां विकास में योगदान करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं क्योंकि लगभग 2 करोड़ डेयरी किसान सदस्य के रूप में इससे जुड़े हैं और ये किसानों को उनके उत्पाद के लिए बाजार पहुंच प्रदान करने हेतु ग्रामीण संस्थान के रूप में कार्य करती हैं और लाभकारी मूल्य कमाने में भी सहायता करती हैं।

3. श्रेणियां:

i) देशी गोपशु/भैंस नस्लों को पालने वाला सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान

ii) सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति/ दूध उत्पादक कंपनी/ डेयरी किसान उत्पादक संगठन

iii) सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT)

3.1 वर्ष 2025 से विभाग ने राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार के अंतर्गत सभी तीनों श्रेणियों में NER श्रेणी में हिमालयी राज्यों (उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख तथा हिमाचल प्रदेश) को भी शामिल किया है, ताकि उत्तर पूर्वी क्षेत्र (NER) की तरह हिमालयी राज्यों में भी डेयरी विकास कार्यकलापों को प्रोत्साहित करने किया जा सके तथा बढ़ावा दिया जा सके।

3.2 इसलिए, राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार (**NGRA**), 2026 के अंतर्गत उपरोक्त तीन श्रेणियों में से प्रत्येक में प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार और उपर्युक्त तीनों श्रेणियों में हिमालयी राज्यों सहित उत्तर पूर्वी क्षेत्र (NER) के राज्यों के लिए विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। NGRA 2026 में एक योग्यता प्रमाणपत्र, एक स्मृति चिन्ह और पहली दो श्रेणियों अर्थात सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान और सर्वश्रेष्ठ DCS/FPO/MPC में नकद राशि शामिल है जो इस प्रकार है:

- 5,00,000/- रु. (पांच लाख रु. मात्र) -प्रथम स्थान
- 3,00,000/- रु. (तीन लाख रु. मात्र) -द्वितीय स्थान
- 2,00,000/- रु. (दो लाख रु. मात्र) -तृतीय स्थान
- **2,00,000/- रु. (दो लाख रु. मात्र) - उत्तर पूर्वी क्षेत्र (NER) और हिमालयी राज्यों (उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख तथा हिमाचल प्रदेश) के लिए विशेष पुरस्कार**

सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT) श्रेणी के मामले में, राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार, 2026 में केवल योग्यता प्रमाणपत्र और एक स्मृति चिन्ह शामिल होगा। कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT) श्रेणी में कोई नकद राशि प्रदान नहीं की जाएगी।

4. उद्देश्य:

i) दुधारू पशुओं की देशी नस्लों की उत्पादकता को वैज्ञानिक रूप से बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना।

ii) सहकारी समितियों और दूध उत्पादक कंपनियों को बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना और उनमें प्रतिस्पर्धात्मकता की भावना जगाना।

iii) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के अंतर्गत 100 प्रतिशत AI कवरेज करने के लिए कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों को प्रोत्साहित करना।

5. **पात्रता:**

i) गोपशुओं की 55 नस्लों और भैंसों की 22 नस्लों (अनुबंध-1 के अनुसार) में से किसी भी मान्यता प्राप्त देशी नस्ल को पालने वाले किसान पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे, बशर्ते कि पशुओं को नस्ल वृद्धि फार्म (BMF) आदि जैसी राज्य/केंद्र सरकार की योजनाओं से सब्सिडी प्राप्त करके नहीं खरीदा गया हो।

ii) किसानों से सीधे दूध के संग्रहण/खरीद के लिए ग्राम स्तर पर स्थापित डेयरी सहकारी समिति/दूध उत्पादक कंपनी (MPC का दूध पूलिंग केंद्र)/किसान उत्पादक संगठन (FPO)। यह सहकारी समिति अधिनियम/ कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत हों और गैर-उत्तर पूर्वी क्षेत्र/ हिमालयी राज्यों के लिए प्रतिदिन न्यूनतम 100 लीटर दूध इकट्ठा करते हों तथा जिसमें कम से कम 50 किसान/दूध उत्पादक सदस्य हों। उत्तर पूर्वी क्षेत्र और हिमालयी राज्यों के लिए प्रतिदिन न्यूनतम 20 लीटर दूध इकट्ठा करते हों तथा जिसमें कम से कम 20 किसान सदस्य हों।

iii) राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र के पशुधन विकास बोर्ड/ राज्य/ दूध परिसंघ/ एनजीओ और अन्य निजी संगठनों के कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन, जिन्होंने न्यूनतम 90 दिनों का AI प्रशिक्षण लिया हो, और गोपशु और भैंसों की नस्लों के कृत्रिम गर्भाधान में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हों, वे इस पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। चूंकि, यह पुरस्कार केवल कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (AIT) के लिए है, इसलिए पशुचिकित्सक इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

6. **आवेदन प्रक्रिया/ पद्धति: नामांकन पद्धति तथा अवार्ड समितियां:**

6.1 मीडिया संबंधी योजना:

(i) DAHD वेबसाइट, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (DONER) तथा NDDB और सभी हितधारकों को ई-मेल भेज कर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा जैसा कि पहले गोपाल रत्न पुरस्कार के दौरान किया गया था।

(ii) इस पुरस्कार कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इससे संबंधित दिशा-निर्देशों को सभी राज्य सरकारों को भेजा जाएगा ताकि वे इसे सभी राज्य सरकारों/ ग्राम पंचायतों/ राज्य पशुधन बोर्डों/ राज्य दूध परिसंघों/ जिला दूध संघों तथा दूध उत्पादक कंपनियों/ किसान उत्पादक संगठनों/ ICAR संस्थानों/ विश्वविद्यालयों/ NABARD/ वित्तीय सेवाएं विभाग (बैंकों को सूचित किए जाने के लिए) को वितरित कर सकें।

(iii) DAHD की प्रचार इकाई द्वारा वेबिनार के माध्यम से पात्रता, प्रक्रिया, फॉर्मेट भरने आदि के संबंध में जागरूकता पैदा की जाएगी।

(iv) विभिन्न मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए ये दिशा-निर्देश PIB को भी उपलब्ध कराये जाएंगे।

6.2 फॉर्म भरने की प्रक्रिया:

6.2.1 ऑनलाइन नामांकन गृह मंत्रालय (MHA) के ऑनलाइन पुरस्कार पोर्टल यानी https://awards.gov.in के माध्यम से किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा स्व-नामांकन के आधार पर होगा या **सामान्य सेवा केन्द्रों** (CSC) की सहायता से अथवा कोई रिसोर्स व्यक्ति किसानों को https://awards.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन भरने में मदद कर सकता है। वैकल्पिक रूप से, सहकारी समितियां, किसान उत्पादक कंपनियां, पशु चिकित्सा अधिकारी इस पोर्टल के माध्यम से आवेदन फॉर्म भरने और फॉर्म जमा करने में किसानों या कृत्रिम गर्भधारण करवाने वाले तकनीशियनों की सहायता कर सकते हैं। किसी भी भौतिक आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

(i) NIC, DAHD अपनी वेबसाइट पर पुरस्कार वेबसाइट के लिए एक लिंक प्रदान करेगा।

(ii) एक आवेदक प्रत्येक श्रेणी में केवल एक ही आवेदन भर सकता है।

(iii) व्यक्तिगत डेयरी किसान (प्रथम श्रेणी) और व्यक्तिगत कृत्रिम गर्भाधान कर्मी (द्वितीय श्रेणी) के मामले में आवेदक अपनी स्वयं की फोटोग्राफ अपलोड करेगा। डेयरी सहकारी समिति (तृतीय श्रेणी) के मामले में, सहकारी समिति के सचिव/अध्यक्ष की फोटोग्राफ अपलोड करना अपेक्षित है।

(iv) अपूर्ण पाए गए आवेदन को खारिज कर दिया जाएगा।

(v) भौतिक रूप से जमा किए गए आवेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(vi) व्यक्तिगत श्रेणी के मामले में, 'आधार' को वैध प्रमाण पत्र के रूप में उपयोग लिया जा सकता है।

(vii) ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए आवेदन-पत्र अथवा उसकी पावती की हार्ड कॉपी प्रेषित करने की आवश्यकता नहीं है।

(viii) सहकारी समिति श्रेणी के मामले में, सोसायटी के सचिव द्वारा विधिवत स्व-अभिप्रमाणित सोसायटी की पंजीकरण संख्या, नाम और पते को स्पष्ट रूप से दर्शाते हुए सोसायटी के पंजीकरण प्रमाणपत्र के प्रासंगिक पृष्ठों की प्रतियां, पैन कार्ड और सहकारी सोसायटी की खाता संख्या, IFSC कोड, CIF संख्या, नाम और पता दर्शाने वाली सहकारी सोसायटी के नाम वाले खाते की बैंक पासबुक की प्रति भी अपलोड करनी होगी।

(ix) कोई व्यक्ति/संगठन जिसे पहले ही पिछले वर्षों में गोपाल रत्न और पूर्ववर्ती कामधेनु पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, वह गोपाल रत्न पुरस्कार, 2026 के लिए पात्र नहीं है।

6.3 आवेदनों की जांच/जांच समिति

6.3.1 तृतीय पक्ष द्वारा जांच

(i) गृह मंत्रालय(MHA) की वेबसाइट पर प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक जांच पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) द्वारा नियुक्त एजेंसी द्वारा की जाएगी। तृतीय पक्ष जांच एजेंसी की नियुक्ति व्यय विभाग (DoE), भारत सरकार द्वारा जारी मौजूदा दिशा-निर्देशों/अनुदेशों के अनुसार की जाएगी। एजेंसी, DAHD द्वारा प्रदान किए गए मूल्यांकन/स्कोर कार्ड के अनुसार आवेदनों का मूल्यांकन करेगी और DAHD द्वारा गठित पुरस्कार जांच समिति को प्रत्येक श्रेणी में गैर-एनईआर/हिमालयी राज्य के सर्वश्रेष्ठ 20 आवेदनों और एनईआर/हिमालयी

राज्य के सर्वश्रेष्ठ 10 आवेदनों की सिफारिश करेगी। चयन किए गए सभी आवेदनों का फील्ड दौरा/सत्यापन, NDDB/DAHD द्वारा चिन्हित/नियुक्त की गई किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा।

(ii) रीस्कोरिंग: फील्ड दौरा सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर प्रत्येक श्रेणी में उपर्युक्त आवेदन को एजेंसी री-स्कोर करेगी और पुरस्कार जांच समिति को प्रस्तुत करेगी।

6.3.2 पुरस्कार जांच समितिः

(i) DAHD द्वारा गठित **पुरस्कार जांच समिति** सर्वोत्तम आवेदकों (अधिमानत: गैर-एनईआर में प्रत्येक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ 10 और एनईआर/हिमालयी राज्यों में 5) का चयन करेगी और राष्ट्रीय पुरस्कार समिति (NAC) के समक्ष उनकी अनुशंसा करेगी।

(ii) यदि आवश्यक हो, तो समिति केंद्रीय/राज्य/NDDB अधिकारियों को शामिल करके या किसी बाहरी एजेंसी को नियुक्त करके वास्तविक सत्यापन कर सकती है/लाइव वीडियो फुटेज मांग सकती है। समिति अपनी संतुष्टि के लिए, स्क्रीनिंग हेतु आवश्यक दस्तावेज़ के प्रमाण मांग सकती है। इस उद्देश्य के लिए, व्यय को RGM योजना के बजटीय प्रावधान से पूरा किया जायेगा।

(iii) समिति, जांच के लिए पद्धति और मानदंड तय करेगी। समिति आधिकारिक रूप से पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा होने तक पुरस्कारों हेतु अभ्यर्थियों के चयन के संबंध में गोपनीयता बनाये रखेगी।

(iv) जांच समिति के पास आवेदन को अस्वीकार करने, अनुशंसित किए जाने वाले पुरस्कार विजेताओं की संख्या पर निर्णय लेने का अधिकार होगा।

(v) जांच समिति के गैर-सरकारी सदस्य सामान्य वित्तीय नियमों के अनुसार टीए/ डीए के हकदार होंगे।

6.4 राष्ट्रीय पुरस्कार समिति (NAC) और पुरस्कार प्रस्तुति

(i) DAHD द्वारा गठित राष्ट्रीय पुरस्कार समिति, प्रत्येक श्रेणी में निर्णायक पुरस्कार विजेताओं यानी प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और हिमालयी राज्यों के लिए एक विशेष पुरस्कार का चयन करेगी।

(ii) समिति उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और हिमालयी राज्यों सहित, चयन की अपनी स्वयं की पद्धति और मानदंड तय करेगी जिसमें समान अंक होने की स्थिति में निर्णय लेना भी शामिल है। यदि आवश्यक हो, तो समिति वास्तविक सत्यापन का विवरण/लाइव वीडियो फुटेज मांग सकती है। समिति आधिकारिक रूप से पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा होने तक पुरस्कारों हेतु अभ्यर्थियों के चयन के संबंध में गोपनीयता बनाये रखेगी।

(iii) जब भी दो विजेता समान ही पुरस्कार के लिए चयनित होते हैं (Tie Position) और उनमें से किसी एक का चयन नहीं हो पाता तो सामान्यतः पुरस्कार की पूरी राशि का भुगतान किया जाना चाहिए। हालांकि इस संबंध में NAC का निर्णय अंतिम होगा।

(iv) राष्ट्रीय पुरस्कार समिति के गैर-सरकारी सदस्य सामान्य वित्तीय नियमों के अनुसार टीए/ डीए के हकदार होंगे।

(v) पुरस्कार समारोह राष्ट्रीय दुग्ध दिवस, 26 नवंबर 2026 को पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा निर्धारित स्थान पर आयोजित किया जाएगा।

6.5 निधि की आवश्यकता:

(i) पुरस्कार राशि

(ii) एजेंसी/ जनशक्ति की नियुक्ति हेतु

(iii) जागरूकता पैदा करने/ प्रचार-प्रसार, यदि कोई हो, के लिए व्यवस्था

(iv) पुरस्कार वितरण समारोह की घोषणा और व्यवस्था में शामिल व्यय

6.5.1 अपर सचिव (सीडीडी) की अध्यक्षता वाली पुरस्कार प्रबंधन समिति द्वारा तय किया गया कोई अन्य प्रासंगिक व्यय।

6.5.2 निधियों को 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' (RGM) योजना से पूरा किया जाएगा।

- पुरस्कार राशि के लिए व्यय RGM के अंतर्गत वस्तु शीर्ष "40-अवार्ड और पुरस्कार", प्रमुख शीर्ष 2403 से पूरा किया जाएगा (प्रासंगिक रूप से, DFG 2026-27 (सितंबर 2026 तक) के अनुसार, वर्तमान में इस शीर्ष में 10 लाख रुपये उपलब्ध हैं। आवश्यक संभावित बजट लगभग 35 लाख रुपये है। इसे RE चरण में प्रस्तावित किया जाएगा; निधि संबंधी किसी भी कमी को RGM योजना (2403) में अन्य राजस्व व्यय (ORE) से पूरा किया जाएगा।
- स्क्रीनिंग एजेंसी / श्रमशक्ति को भुगतान, प्रचार और पुरस्कार समारोह जैसे अन्य व्यय RGM योजना (2403) में अन्य राजस्व व्यय (ORE) से पूरे किए जाते रहेंगे।

6.6 पुरस्कार प्रबंधन समिति:

(i) अपर सचिव (CDD) - अध्यक्ष

(ii) संयुक्त आयुक्त (RGM)

(iii) उप आयुक्त (AK)

(iv) अवर सचिव/अनुभाग अधिकारी (IFD/ बजट)

(v) सहायक आयुक्त/पशुधन अधिकारी/अनुभाग अधिकारी (विस्तार और प्रचार)

(vi) तकनीकी अधिकारी (DD)

(vii) अनुभाग अधिकारी (मीडिया, विस्तार और प्रचार)

(viii) वरिष्ठ तकनीकी निदेशक (NIC)

पुरस्कारों की घोषणा से लेकर पुरस्कार प्रदान किए जाने तक की प्रक्रिया के सुगम संचालन की जिम्मेदारी पुरस्कार प्रबंधन समिति की होगी। समिति, गोपाल रत्न पुरस्कारों से संबंधित विभिन्न कार्यों हेतु टीमों सहित आवश्यक कार्यालय आदेश/ कार्यालय ज्ञापन जारी करेगी।

6.7 राष्ट्रीय पुरस्कार समिति और पुरस्कार जांच समिति की संरचना:

6.7.1 पुरस्कार जांच समिति:

(i) अपर सचिव (गोपशु एवं डेयरी विकास), पशुपालन और डेयरी विभाग-अध्यक्ष

(ii) संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

(iii) संयुक्त सचिव, सहकारिता, सहकारिता मंत्रालय/कार्यकारी निदेशक-एनसीडीसी सदस्य

(iv) निदेशक, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय- सदस्य

(v) प्रबंधक निदेशक, NDDB - सदस्य

(vi) संयुक्त निदेशक (एकेडेमिया), ICAR- NDRI - सदस्य

(vii) निदेशक, ICAR- NBAGR करनाल - सदस्य

(viii) संयुक्त आयुक्त (RGM) - सदस्य

(ix) सहायक आयुक्त (DD) - सदस्य

6.7.2 राष्ट्रीय पुरस्कार समिति

i. भारत सरकार के पूर्व/सेवानिवृत्त-सचिव, उनकी सहमति/सुविधा के अनुसार- अध्यक्ष
ii. सचिव, DAHD- सदस्य
iii. सचिव, DARE/ DG, ICAR - सदस्य
iv. DG, पुरस्कार, गृह मंत्रालय - सदस्य
v. संयुक्त सचिव, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय - सदस्य
vi. अध्यक्ष, NDDB - सदस्य
vii. पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में एक पदम श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता - सदस्य
viii. अध्यक्ष, भारतीय डेयरी संघ - सदस्य
ix. संयुक्त आयुक्त (RGM) - सदस्य
x. उपायुक्त (DD) - सदस्य सचिव

6.8 अनंतिम समय-सारणी

क्र.सं.	अनंतिम तिथि	कार्यकलाप
1.	10 अगस्त, 2026	ऑनलाइन आवेदन जमा करना प्रारंभ
2.	10 सितंबर, 2026	आवेदक द्वारा पुरस्कारों के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि
3.	1-15 अक्टूबर, 2026	नियुक्त की गई एजेंसी द्वारा प्रत्येक श्रेणी में आवेदन प्राप्त करना और उनकी प्रारम्भिक जांच; उसमें से सामान्य श्रेणी(गैर उत्तर पूर्वी क्षेत्र) में 20 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र और हिमालयी राज्यों में 10 सर्वश्रेष्ठ आवेदनों की सिफ़ारिश

4.	16-31 अक्टूबर, 2026	NDDB/नियुक्त की गई किसी अन्य एजेंसी द्वारा फील्ड दौरा/सत्यापन
5.	1-10 नवंबर, 2026	नियुक्त की गई एजेंसी द्वारा फील्ड सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर आवेदनों का पुनर्मूल्यांकन
6.	नवंबर 2026 का दूसरा सप्ताह	पुरस्कार जांच समिति द्वारा अनुशंसा
7.	नवंबर 2026 का तीसरा सप्ताह	राष्ट्रीय पुरस्कार समिति की बैठक और पुरस्कार विजेताओं के नामों को अंतिम रूप देना
8.	25 नवंबर 2026	माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री द्वारा गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नामों की घोषणा
9.	26 नवंबर, 2026	माननीय प्रधानमंत्री/ माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री द्वारा गोपाल रत्न पुरस्कार प्रदान करना।

7. **पुरस्कारों के लिए सामान्य संदर्भ**

(i) सफल पुरस्कार विजेताओं को टीए/डीए की प्रतिपूर्ति की जाएगी, जो ट्रेन के द्वितीय एसी किराए तक सीमित होगी। सहकारी समितियों/ दुग्ध उत्पादक कंपनियों के मामले में, सचिव सहित सहकारी/ MPC से केवल दो व्यक्तियों के टीए/ डीए की प्रतिपूर्ति हेतु विचार किया जाएगा।

(ii) सहकारी समिति/ MPC के मामले में, पुरस्कार राशि सहकारी/ MPC खाते के पक्ष में आहरित की जाएगी।

भरे जाने हेतु श्रेणी-वार प्रारूप अनुबंध-।। से ।V में दिए गए हैं।

गोपशु की पंजीकृत नस्लें (राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार, 2026 के लिए)

क्र. सं.	नस्ल	मूल क्षेत्र
1	अमृतमहल	कर्नाटक
2	बछौर	बिहार
3	बरगुर	तमिलनाडु
4	डांगी	महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
5	देवनी	महाराष्ट्र और कर्नाटक
6	गैलाओ	महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
7	गिर	गुजरात
8	हल्लीकर	कर्नाटक
9	हरियाना	हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान
10	कंगायम	तमिलनाडु
11	कांकरेज	गुजरात और राजस्थान
12	केनकथा	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
13	खेरीगढ़	उत्तर प्रदेश
14	खिल्लर	महाराष्ट्र और कर्नाटक
15	कृष्णा वैली	कर्नाटक
16	मालवी	मध्य प्रदेश
17	मेवाती	राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश
18	नागौरी	राजस्थान
19	निमाड़ी	मध्य प्रदेश
20	ओंगोले	आंध्र प्रदेश
21	पोंवार	उत्तर प्रदेश
22	पुंगानूर	आंध्र प्रदेश
23	राठी	राजस्थान
24	रेड कंधारी	महाराष्ट्र
25	रेड सिंधी	केवल संगठित फार्मों पर
26	साहीवाल	पंजाब और राजस्थान
27	सीरी	सिक्किम और पश्चिम बंगाल
28	थारपारकर	राजस्थान
29	अंबलाचेरी	तमिलनाडु
30	वेचुर	केरल
31	मोटू	ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश
32	घुमुसरी	ओडिशा
33	बिंझरपुरी	ओडिशा
34	खरियर	ओडिशा
35	पुलिकुलम	तमिलनाडु

36	कोसली	छत्तीसगढ
37	मलनाड गिद्दा	कर्नाटक
38	बेलाही	हरियाणा और चंडीगढ़
39	गंगातीरी	उत्तर प्रदेश और बिहार
40	बद्री	उत्तराखंड
41	लखिमी	असम
42	लद्दाखी	जम्मू और कश्मीर
43	कोंकण कपिला	महाराष्ट्र और गोवा
44	पोडा थुरपु	तेलंगाना
45	नारी	राजस्थान और गुजरात
46	डागरी	गुजरात
47	थुथो	नागालैंड
48	श्वेत कपिला	गोवा
49	हिमाचली पहाड़ी	हिमाचल प्रदेश
50	पूर्णिया	बिहार
51	कथनी	महाराष्ट्र
52	संचोरी	राजस्थान
53	मैसिलम	मेघालय
54	मेदिनी	झारखंड
55	रोहिलखंडी	उत्तर प्रदेश

भैंस की पंजीकृत नस्लें (राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार, 2026 के लिए)

क्र. सं.	नस्ल	मूल क्षेत्र
1	भदावरी	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
2	जाफराबादी	गुजरात
3	मराठवाड़ी	महाराष्ट्र
4	मेहसाणा	गुजरात
5	मुर्राह	हरियाणा
6	नागपुरी	महाराष्ट्र
7	नीली रवि	पंजाब
8	पंढरपुरी	महाराष्ट्र
9	सूरती	गुजरात
10	टोडा	तमिलनाडु
11	बन्नी	गुजरात
12	चिलिका	ओडिशा
13	कालाहांडी	ओडिशा
14	ल्यूट (स्वैम्प)	असम और मणिपुर
15	बरगुर	तमिलनाडु

16	छत्तीसगढ़ी	छत्तीसगढ
17	गोजरी	पंजाब और हिमाचल प्रदेश
18	धारवाड़ी	कर्नाटक
19	मांडा	ओडिशा
20	पूर्णथडी	महाराष्ट्र
21	मनाह	असम
22	मेलघाटी	महाराष्ट्र

*****

अनुबंध-II

देशी गोपशु/भैंस की नस्लों का पालन करने वाले किसानों के लिए राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2026 हेतु नामांकन का प्रारूप

भाग क

किसान का फोटो		पशु का फोटो

किसान का नाम:

लिंग:

आयु:

शिक्षा:

पता:

आधार नं.

मोबाइल नं:

पाली जा रही नस्ल:

(केवल NBAGR के तहत पंजीकृत नस्लें ही पुरस्कार के लिए पात्र होंगी)

भाग ख

क्र.सं.	विशेषताएं	उचित कॉलम पर टिक लगायें (√)
1.	**पशुपालक की सामान्य सूचना**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
1.1	**आवेदन की श्रेणी:**	
(क)	सामान्य(उत्तर पूर्व क्षेत्र/हिमालयी राज्य के अतिरिक्त)	
(ख)	उत्तर पूर्व क्षेत्र/हिमालयी राज्य	
1.2	**पशुपालक का लिंग**	
(क)	पुरुष	
(ख)	महिला	
1.3	**पशुपालकों के पशुओं की संख्या**	
(क)	**3-9 (केवल उत्तर पूर्व क्षेत्र/हिमालयी राज्य के लिए)**	
(ख)	10-50	
(ग)	51-100	
(ड़)	100 से अधिक	
1.4	**कितने वर्षों से डेयरी पशुओं का पालन कर रहे हैं?**	
(क)	1-5 वर्ष	
(ख)	6-10 वर्ष	
(ग)	10 वर्ष से अधिक	
1.5	क्या डेयरी फार्म केंद्र या राज्य सरकार से सब्सिडी लेकर शुरू किया गया है?	हाँ/नहीं, ड्रॉपडाउन (यदि हाँ, तो स्कीम का नाम)
2.	**प्रजनन**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
2.1	**नस्ल का नाम** (नस्ल वृद्धि चयन विकल्प को चुनें)	
2.2	**अपनाई गई प्रजनन पद्धति (मुख्यतः अभ्यास में)**	ड्रॉपडाउन विकल्प कृत्रिम गर्भाधान / सांड से प्राकृतिक सेवा
क	कृत्रिम गर्भाधान	
ख	प्राकृतिक सेवा	
2.3	**कृत्रिम गर्भाधान की स्थिति में**	
	क्या AI के बाद किसान AIT से खाली सीमन स्ट्रॉ मांगता है और सीमन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी पढ़ सकता है?	
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
2.4	**सांड से प्राकृतिक सेवा के मामले में**	
	क्या किसान अपना सांड पालता है या नहीं?	

क	रोग मुक्त उच्च अनुवंशिक गुणता वाला सांड	ड्रॉप डाउन विकल्प रोगमुक्त स्थिति के रिकॉर्ड के साथ उच्च आनुवांशिक गुणवत्ता वाला स्वयं का सांड/ रिकॉर्ड के बिना स्वयं का सांड/ स्वयं का कोई सांड नहीं
ख	सांड जिसका कोई रिकॉर्ड न हो	
2.5	**अगर किसान अपनी गाय को किसी और स्रोत से मिले सांड से प्रजनन कराता है; तो क्या किसान गाय (Dam) के दूध स्त्रवण उत्पादन और सांड के रोग मुक्त होने के बारे में पूछता है?**	
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
2.6	**डेटा रिकॉर्डिंग (वंशावली डेटा, दूध उत्पादन रिकॉर्ड, ब्यांत का रिकार्ड)**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
2.7	**अद्यतन प्रजनन प्रौद्योगिकी को अपनाना**	
2.7.1	**सेक्स सॉर्टेड सीमन**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
2.7.2	**भ्रूण अंतरण**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
3.	**पशु आहार**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
3.1	**पशु आहार की गणना**	
(क)	क्या स्वयं हिसाब लगाकर राशन संतुलन अपनाया है	
(ख)	वाणिज्यिक रुप से तैयार पशु आहार का उपयोग करते हैं	
3.2	**क्षेत्र विशिष्ट खनिज मिश्रण का उपयोग**	
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
3.3	**चारा प्रबंधन**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	स्वयं की खेती	
(ख)	बाहर से खरीद	
3.4	**चारा संरक्षण**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हे/साइलेज	
(ख)	कोई संरक्षण नहीं	
3.5	**अजोला की खेती**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	

4.	**आवास**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
4.1	**आवास का प्रकार**	
(क)	स्टाल फेड प्रणाली	
(ख)	बंधन मुक्त (लूज़) प्रणाली	
4.2	**पशु का परिवेश/ परिसर**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	शुष्क	
(ख)	कीचड़दार	
4.3	**जल निकासी की व्यवस्था**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	साफ	
(ख)	रुका हुआ	
4.5	**गर्मी (हीट स्ट्रेस) से बचने की व्यवस्था**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
4.6	**टिक और मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए एक्टोपैरासिटिक सॉल्यूशन/ हर्बल फॉर्मूलों का उपयोग**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
5.	**सामान्य पशु स्वास्थ्य पद्धतियां:**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
5.1	**टीकाकरण (टीकाकरण शेड्यूल के अनुसार)**	
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
5.2	**समय पर प्राथमिक सहायता उपलब्ध/प्रदान की गई**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
5.3	**क्या किसान मामूली (common ailments) रोगों के लिए हर्बल फॉर्मूलों का उपयोग करता है**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
5.4	**डिवॉर्मिंग**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	वर्ष में एक बार	
(ख)	वर्ष में दो बार	
ग	नहीं	
5.5	**टिक नियंत्रण के उपाय**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
6.	**पशु पहचान तंत्र**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**

(क)	NDLM टैगिंग	
(ख)	कोई अन्य तकनीक- माइक्रोचिप, RFID	
(ग)	ऊपर की कोई पद्धति नहीं अपनाई गई	
7.	**खेत का मशीनीकरण**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
7 क	पूर्णतः मशीनीकृत/ अर्ध-मशीनीकृत/मशीन रहित	
7 ख	दूध निकालने वाली मशीन का उपयोग	हां/नहीं
8	**दुग्ध विपणन**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
8.1	**दूध की बिक्री**	
(क)	डेयरी सहकारी समिति/दुग्ध उत्पादक कंपनी के माध्यम से	
(ख)	निजी डेयरी	
(ग)	स्वयं विपणन	
(घ)	दूध विक्रेता/दूधिया	
8.2	**मूल्य संवर्धित उत्पाद में परिवर्तन (पनीर, घी, दही) इत्यादि**	
(क)	हां (उत्पाद के नाम)	
(ख)	नहीं	
9.	**डेयरी योजनाओं संबंधी जागरुकता का स्तर:**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
9.1	**क्या राज्य/केन्द्र सरकार की योजनाओं से अवगत हैं?**	
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
9.2	**क्या पशुपालन संबंधी कोई प्रशिक्षण किया है**	
(क)	हां **(प्रमाण पत्र द्वारा समर्थित प्रशिक्षण का नाम) (पीडीएफ अपलोड करें)**	
(ख)	नहीं	
9.3	**डेयरी सहकारी समिति /दुग्ध उत्पादक कंपनी के सदस्य हैं**	
(क)	हां (तो DCS/MPC का नाम)	**(ड्रॉपडाउन और टेक्स्ट बॉक्स)**
(ख)	नहीं	
10.	**पर्यावरणीय जागरुकता**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
10.1	**गोबर गैस का उत्पादन और उपयोग करते हैं**	
(क)	हां	
(ख)	नहीं	
10.2	**अपशिष्ट प्रबंधन (गाय का गोबर)**	
(क)	गाय के गोबर का (खाद, गोबर के लॉग, गोबर कास्ट के रुप में) प्रयोग करते हैं/ प्रदान करते हैं	
(ख)	गाय के गोबर के उपले बनाते है	
10.3	**सौर ऊर्जा का उपयोग**	
क	फार्म में स्थापित सौर पैनल	हां/नहीं

ख	सौर पैनल का उपयोग निम्न के लिए किया जाता है:	
	i. पंखे	हां/नहीं
	ii. प्रकाश व्यवस्था	हां/नहीं
	iii. दूध दुहने की मशीन	हां/नहीं
	iv. अन्य उद्देश्य	उपयोगिताओं का नाम
11	**पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता प्रबंधन के लिए स्मार्ट कॉलर, आईटी समाधान आदि जैसी डिजिटल तकनीक का उपयोग।**	**हां/नहीं**
11क	यदि हाँ, तो कृपया तकनीक का नाम बताएँ।	
12.	**उत्पादकता और प्रजनन दक्षता:**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
12.1	**दुग्ध उत्पादन/दिन (लीटर/पशु)**	
(क)	1-5 लीटर	
(ख)	6 -10 लीटर	
(ग)	10 लीटर से अधिक	
12.2	**ब्यांत का अंतराल (पशु के लगातार दो ब्यांत के बीच की औसत अवधि)**	
(क)	12 महीनों से कम	
(ख)	12-15 महीने	
(ग)	15 महीनों से अधिक	
13	**शैक्षणिक योग्यता**	
14	**नवाचार : पशु प्रबंधन में देशी रूप से विकसित / अपनाई गई कोई नवाचार पद्धति (फोटो के साथ विस्तृत विवरण दें)**	

<u>अनुबंध-III</u>

<u>NGRA 2026 के तहत सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति/ दुग्ध उत्पादक कंपनी/ FPO पुरस्कार के लिए नामांकन का प्रारूप</u>

भाग क

सहकारी/ दुग्ध उत्पादक कंपनी के अध्यक्ष/ सचिव का फोटो

सहकारी समिति/ दुग्ध उत्पादक कंपनी का नाम

स्थापना की तिथि:

पंजीकरण संख्या:

PAN संख्या:

बैंक खाता सं.:

ई-मेल, मोबाइल नं./ लैण्डलाइन नं.

संपर्क पता:

[यह पुरस्कार ग्राम स्तरीय सहकारी समिति/ ग्राम स्तरीय दुग्ध उत्पादक कंपनी अथवा संग्रहण केंद्र को दिया जाएगा। यह पुरस्कार ग्राम स्तरीय डेयरी सहकारी समिति /ग्राम स्तरीय दुग्ध उत्पादक कंपनी अथवा संग्रहण इकाई के अध्यक्ष/ सचिव द्वारा उनके संगठन की ओर से प्राप्त किया जाएगा]

भाग-ख

<u>सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति/ दुग्ध उत्पादक कंपनी/ FPO/राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2026</u>

क्र.सं.	विशेषताएं	टिप्पणियां/ सूचना
1	सहकारी समिति/MPC का पंजीकरण, स्थापना की तारीख, (प्रमाण-पत्र की प्रति अपलोड करें)	संख्या/वर्णमाला/विशेष वर्ण
2.	**आवेदन की श्रेणी**	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
क	सामान्य (उत्तर पूर्वी क्षेत्र/हिमालयी राज्य के अतिरिक्त)	
ख	उत्तर पूर्वी क्षेत्र/हिमालयी राज्य के लिए	
3	संबद्ध पंजीकृत किसान सदस्यों की संख्या	संख्या में
4	वास्तविक रूप से दूध उड़ेलने वाले किसान सदस्यों की संख्या	संख्या में
5	वर्ष 2025-26 के दौरान दैनिक औसत दूध खरीद मात्रा (लीटर प्रति दिन)	संख्या में
6	भुगतान चक्र और नियमितता	7 दिन/10 दिन/15 दिन/30 दिन **(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
7	AMCU/DPMCU (उपलब्धता और कार्यात्मकता/उपलब्ध नहीं)	**(ड्रॉप डाउन विकल्प)** **उपलब्ध और कार्यात्मक/उपलब्ध लेकिन कार्यशील नहीं/उपलब्ध नहीं**
8	स्थापित BMC	हां/नहीं **(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
9	BMC क्षमता (लीटर में)	मात्रा लीटर में
10	BMC क्षमता का उपयोग (वर्ष 2025-26 के दौरान दैनिक औसत उपयोग)	% में **(ड्रॉप डाउन 0-100%)**
11	क्या नियमित और समय पर ऑडिट किया जाता है	हां/नहीं **(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
12	अंतिम तीन वर्षों के ऑडिट का प्रमाणपत्र अपलोड करें	दस्तावेज़ अपलोड करने का विकल्प
13	किए गए प्रयोगशाला परीक्षण i. वसा/SNF ii. मिलावट iii. अम्लता iv. MBRT v. अन्य	i) से iv) हां/नहीं v) परीक्षण के नाम के लिए बॉक्स (i से v बिन्दु-वार),

		अलग-अलग ड्रॉपडाउन विकल्प)
14	सहकारी समिति/MPC की स्वच्छता की स्थिति [नियमित सफाई (C), पर्याप्त प्रकाश (L), पर्याप्त संवातन (वेंटिलेशन) (V), उचित अपशिष्ट निपटान (W), उचित जल निकासी प्रणाली (D)]	C, L, V, W, D **(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
15	निम्न के दौरान लाभ: i. वर्ष 2025-26 ii. वर्ष 2024-25 iii. वर्ष 2023-24	रु. में (i से iii बिन्दु-वार), अलग-अलग राईट अप बॉक्स विकल्प)
16	निम्न के दौरान वितरित किया गया बोनस i. वर्ष 2025-26 ii. वर्ष 2024-25 iii. वर्ष 2023-24	रु. में (i से iii बिन्दु-वार), अलग-अलग राईट अप बॉक्स विकल्प)
17	वर्ष 2025-26 के दौरान KCCऋण प्राप्त किसानों की संख्या	संख्या में
18	क्या सौर पैनल उपलब्ध है	हाँ/नहीं **(ड्रॉप डाउन विकल्प)**
19	किसान सदस्यों को प्रदान की गईं तकनीकी आदान सेवाएं i. गोपशु आहार ii. दूध उत्पाद iii. AI सेवाएं iv. पशु स्वास्थ्य सेवाएं v. हर्बल औषधि vi. सदस्यों से गाय/भैंस के गोबर का संग्रहण	हाँ/नहीं **(ड्रॉप डाउन विकल्प)** (i से vi बिन्दु-वार), अलग-अलग **ड्रॉपडाउन विकल्प**)
20	समिति द्वारा अपने स्तर पर अपने सदस्यों के लिए संचालित अन्य सामाजिक सुरक्षा/कल्याण योजनाएं	योजना का नाम तथा प्रदान किए गए लाभों के विवरण के लिए बॉक्स

एलपीडी: लीटर प्रति दिन

<u>कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों के लिए राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाईन जमा करने हेतु नामांकन का प्रारूप</u>

भाग क

AI तकनीशियन की फोटो

	AI तकनीशियन का नाम:	
	पिता का नाम:	
	आधार नं.	
	जन्म तिथि:	
	लिंग:	
	कार्यस्थल:	
	प्राप्त AI प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र (न्यूनतम 90 दिन अनिवार्य)	
	AI प्रसव करवाने से संबंधित अनुभव	
	शैक्षिक योग्यता: (जन्मतिथि, शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न की जाए)	
	ई-मेल पता, मोबाईल नं./ लैण्डलाईन नं.	
	संपर्क पता:	

भाग ख - AIT सेवा जानकारी

क्र.सं.	विशेषताएं	उपयुक्त बॉक्स पर टिक लगाएं
1	**लिंग**	ड्रॉप डाउन ऑप्शन
क	पुरुष	
ख	महिला	
2.	**श्रेणी लागू:**	ड्रॉप डाउन ऑप्शन
क	सामान्य (NER/हिमालयीन राज्यों के अलावा)	
ख	NER हिमालयी राज्य	
3	कवर की गई प्रजातियां (नस्लें भी बताएं)	ड्रॉप डाउन ऑप्शन
क	गोपशु	
ख	भैंस	
ग	दोनों	
4	**प्रजनन**	ड्रॉप डाउन ऑप्शन
क	NDLM पर अपलोड किए गए डेटा का प्रतिशत	ड्रॉप डाउन ऑप्शन (0-100%)
ख	NDLM ID:……	राइट अप बॉक्स
ग	पिछले वर्षों में किए गए A.I. की संख्या (NDLM के अनुसार)	
	वर्ष 2023-24	संख्या में
	वर्ष 2024-25	संख्या में
	वर्ष 2025-26	संख्या में
घ	पिछले वर्ष के दौरान किए गए AI से हुए गर्भधारण की संख्या (NDLM के अनुसार)	ड्रॉप डाउन ऑप्शन
	वर्ष 2023-24	संख्या में
	वर्ष 2024-25	संख्या में
	वर्ष 2025-26	संख्या में
ङ	पिछले दो वर्षों में पैदा हुए बछड़े-बछड़ियों की संख्या (NDLM के अनुसार)	
	वर्ष 2024-25	संख्या में
	वर्ष 2025-26	संख्या में
च	ऊपर बताए गए पिछले तीन वर्षों के दौरान गर्भधारण दर का औसत प्रतिशत।	ड्रॉप डाउन ऑप्शन (0-100%)
क	**सफाई के उपाय**	ड्रॉप डाउन ऑप्शन
5.1	प्रोटेक्टिव ग्लव्स, प्लास्टिक एप्रन वगैरह पहनना	
क	हाँ	

ख	नहीं	
5.2	स्ट्रॉ को ठीक से पिघलाना	
क	हाँ	
ख	नहीं	
5.3	कृत्रिम गर्भाधान उपकरणों का स्वच्छीकरण	
क	हाँ	
ख	नहीं	
6	आवंटित क्षेत्र में NDLM टैगिंग का प्रतिशत	ड्रॉप डाउन ऑप्शन (0-100%)
7	प्राप्त प्रशिक्षण (प्रमाणपत्र के साथ, PDF अपलोड करें)	**सर्टिफिकेट, PDF अपलोड करें**
क	बुनियादी प्रशिक्षण	सर्टिफिकेट के साथ कितने दिन अटेंड किए
ख	पिछले 3 वर्षों में सम्पन्न पुनश्चर्या प्रशिक्षण	संलग्न प्रमाणपत्र के साथ सम्पन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या
8	**पशु प्रजनन एवं प्रबंधन से संबंधित प्राप्त पुरुस्कार**	
क	राज्य स्तर	
ख	जिला स्तर	
ग	ब्लॉक स्तर	
9	**किसानों को उन्नत प्रजनन प्राद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रेरित करने वाली सफलता की कहानियां - सेक्स सॉर्टेड सीमेन, ETT/IVF (फोटोग्राफ के साथ विस्तृत विवरण में PDF अपलोड करें)**	

****